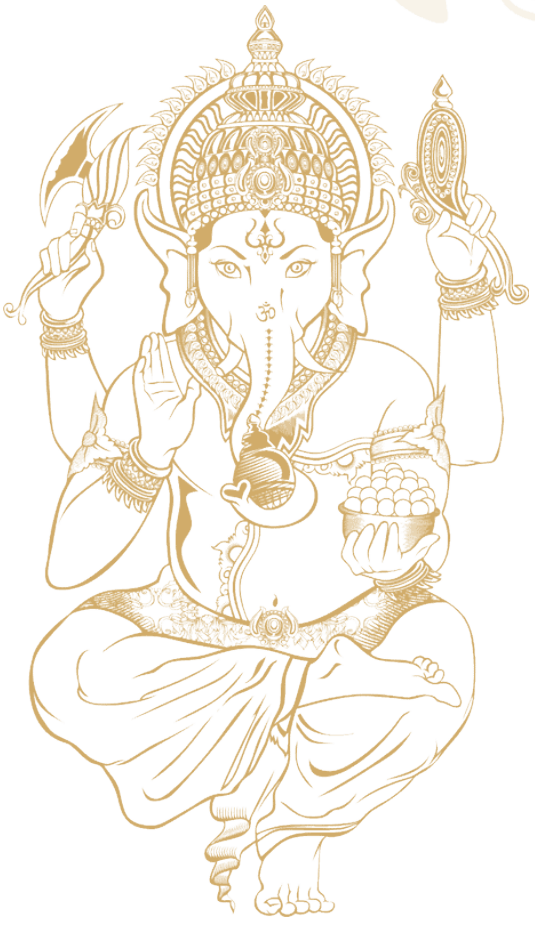

Mr. sidharth

Ms.jahanvika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120472505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/04/2000	जन्म तिथि	21/06/2000
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 21:15:00	जन्म समय	15:43:00 घंटे
घटी 36:54:51	जन्म समय(घटी)	24:32:28 घटी
India	देश	India
Vadodara	स्थान	Vadodara
22:19:00 उत्तर	अक्षांश	22:19:00 उत्तर
73:14:00 पूर्व	रेखांश	73:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:04	स्थानिक संस्कार	-00:37:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:03	सूर्योदय	05:54:00
18:52:30	सूर्यास्त	19:23:42
23:51:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:34

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 12वर्ष 3मा 26दि		22:19:13	तुला	लग्न	तुला	18:26:03	मंगल 5वर्ष 11मा 17दि	
शनि		19:20:44	मीन	सूर्य	मिथु	06:28:31	गुरु	
29/07/2012		23:03:51	कुंभ	चंद्र	मक	25:18:25	08/06/2024	
30/07/2031		13:53:24	मेष	मंगल	मिथु	09:25:34	08/06/2040	
शनि	02/08/2015	22:04:36	कुंभ	बुध	मिथु	25:57:38	गुरु	27/07/2026
बुध	11/04/2018	15:41:34	मेष	गुरु	वृष	04:14:33	शनि	06/02/2029
केतु	21/05/2019	01:03:31	मीन	शुक्र	मिथु	09:12:38	बुध	15/05/2031
शुक्र	21/07/2022	21:50:04	मेष	शनि	वृष	01:43:46	केतु	20/04/2032
सूर्य	03/07/2023	07:10:47	कर्क व	राहु	कर्क	00:50:51	शुक्र	20/12/2034
चन्द्र	31/01/2025	07:10:47	मक व	केतु	मक	00:50:51	सूर्य	08/10/2035
मंगल	12/03/2026	25:52:09	मक	हर्ष व	मक	26:40:34	चन्द्र	06/02/2037
राहु	16/01/2029	12:22:06	मक	नेप व	मक	12:13:45	मंगल	13/01/2038
गुरु	30/07/2031	18:57:14	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	17:09:40	राहु	08/06/2040

लग्न-चलित

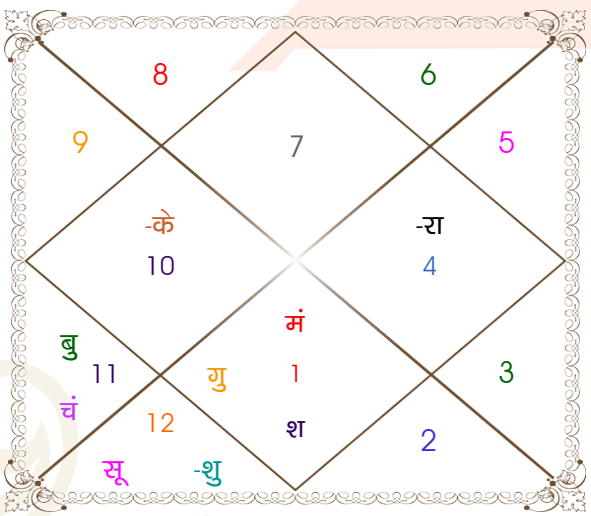

लग्न-चलित

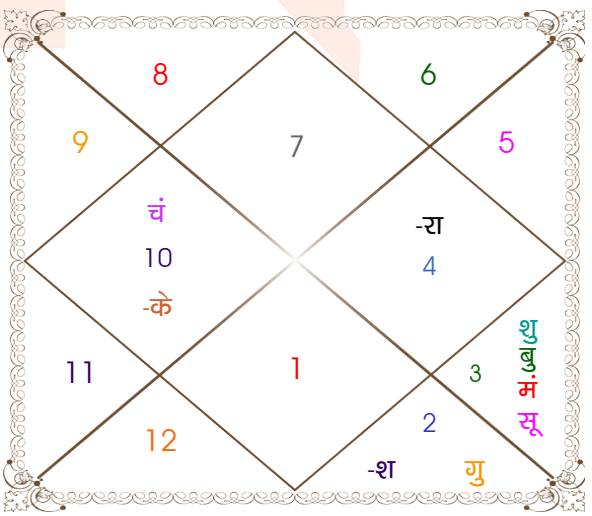

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्े पर्कीतजी का वर्ग मेष है तथा Ms.jahanvika का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्े पर्कीतजी और Ms.jahanvika का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्े पर्कीतजी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतण्े पर्कीतजी कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्े पर्कीतजी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्पर्कीतजी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.jahanvika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डतण्पर्कीतजी तथा Ms.jahanvika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।